सत्य कथा

ए. एस. बलगीर
दिनांक: 5.4.88

"गुस्सा"

न्यूटन विश्व का एक नेकदिल वैज्ञानिक था । उसे कभी गुस्सा नहीं आता था । उसने एक कुत्ता पाला हुआ था, जिसका नाम डायमंड था । न्यूटन ने अपने कई सालों के जरूरी छपने वाले कागज अपनी मेज पर रखे हुए थे । मेज पर ही एक मोमबत्ती जल रही थी । न्यूटन किसी जरूरी काम से कमरे से थोड़ी देर के लिये बाहर गया । डायमंड छलांग लगा कर मेज पर चढ़ गया । इससे जलती मोमबत्ती न्यूटन के कागजों पर गिर गई और कुछ की क्षणों में सारे कागज जलकर राख हो गये । जब न्यूटन कमरे में वापस आया तो उसे अपने जीवन की सारी मेहनत राख हुई देखकर बहुत निराशा हुई मगर इस पर भी वह सारा गुस्सा पी गया । अपने कुत्ते को सिर्फ इतना ही कह सका, "अरे डायमंड तुझे कुछ पता नहीं, तूने अपने मालिक का कितना नुकसान कर दिया है"।

सीख :-
======

कई बार अनजाने में आदमी दूसरे का बहुत बड़ा नुकसान कर देता है और ~~xx~~ उसे अपनी मूर्खता का अहसास भी नहीं हो पाता । हमें ऐसे आदमी पर भी गुस्सा नहीं करना चाहिये ।

. . . . .